जिंदा है युवक, मेडिकल कॉलेज ने कर दिया देहदान ! पोस्टर में मृतकों के बीच लगा दी फोटो

खास बातें

- मेडिकल कॉलेज का कारनामा- जिंदा युवक बताया मृत, करा दिया देहदान
- देहदान अभियान का ही उड़ा दिया मजाक
- करीब 15 दिन तक कॉलेज परिसर में लगा रहा विवादित पोस्टर
- परिजनों के विरोध के बाद हटाया ; देहदान जैसे गंभीर अभियान को बना दिया मजाक

नवभारत न्यूज

विदिशा 29 अगस्त,अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में लापरवाही का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे कॉलेज प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. जिस युवक को कॉलेज प्रबंधन ने देहदान करने वालों की सूची में मृत व्यक्ति के रूप में प्रचारित कर दिया, वह युवक आज भी जिंदा है.

कॉलेज परिसर में लगाए गए एक पोस्टर में उसकी तस्वीर देहदान करने वाले लोगों के साथ प्रकाशित कर दी गई. हैरानी की बात यह है कि यह गलती एक-दो दिन नहीं, बल्कि करीब 15 दिनों तक कॉलेज परिसर में लगी रही, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की नजर तक इस पर नहीं पड़ी. मामला शनिवार को उस समय सामने आया, जब केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मेडिकल कॉलेज पहुंचने के दौरान विवादित पोस्टर पर लोगों की नजर पड़ी. पोस्टर में जिंदा युवक की तस्वीर को मृत व्यक्ति के रूप में प्रदर्शित किए जाने की जानकारी जब युवक के परिजनों को मिली तो उन्होंने इस पर कड़ा एतराज जताया. विरोध के बाद आनन-फानन में पोस्टर को हटा दिया गया.

देहदान अभियान की गंभीरता पर भी सवाल

देहदान समाजसेवा और मानवता से जुड़ा एक गंभीर अभियान है, जिसके जरिए लोग मृत्यु के बाद अपना शरीर चिकित्सा शिक्षा और शोध के लिए समर्पित करते हैं. ऐसे संवेदनशील अभियान में किसी जिंदा व्यक्ति की तस्वीर को मृत बताकर प्रदर्शित कर देना कॉलेज प्रबंधन की गंभीर लापरवाही को उजागर करता है. सवाल यह है कि पोस्टर तैयार करने से लेकर उसे सार्वजनिक स्थान पर लगाने तक आखिर किसी जिम्मेदार अधिकारी ने इसकी जांच क्यों नहीं की ?

पहले भी विवादों में रहा है मेडिकल कॉलेज

अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज पहले भी विभिन्न मामलों को लेकर चर्चा में रहा है. कभी मरीजों और उनके परिजनों से विवाद, कभी इलाज में लापरवाही के आरोप तो कभी कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर सवाल उठते रहे हैं. अब जीवित युवक की तस्वीर को मृत व्यक्ति की तस्वीर बताकर देहदान संबंधी पोस्टर में लगाए जाने का मामला सामने आने से कॉलेज प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

बताया जा रहा है कि एक जीवित युवक की तस्वीर को मृत बताकर देहदान के पोस्टर में लगा दिया गया. परिजनों के विरोध के बाद पोस्टर तो हटा दिया गया, लेकिन सवाल यह है कि इतनी बड़ी गलती आखिर हुई कैसे. यदि पोस्टर में तस्वीर लगाने से पहले संबंधित व्यक्ति की पहचान और तथ्यों का सत्यापन किया जाता तो ऐसी स्थिति नहीं बनती.सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदारी किसकी तय की गई. एक जीवित व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से मृत घोषित कर देना केवल सामान्य भूल नहीं, बल्कि बेहद संवेदनशील मामला है. इससे संबंधित व्यक्ति और उसके परिवार को मानसिक पीड़ा के साथ सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

नागरिकों का कहना है कि कॉलेज प्रबंधन को मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी गंभीर चूक की पुनरावृत्ति न हो.

ओवरब्रिज निर्माण से बढ़ी परेशानी, अंडरपास में फंसी कार

- बारिश के बाद अंडरपास में पानी, कीचड़ और गड्ढों से बढ़ी परेशानी

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 29 अगस्त.छतरपुर-लवकुशनगर मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण चलने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है.संजय नगर से हंसपुरा, चरण पादुका और सिंहपुर होकर वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है, जिससे लोगों को करीब 10 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है.

इससे बचने के लिए दोपहिया और छोटे वाहन चालक डुमरा के आगे से दूसरे रास्ते का उपयोग कर रहे हैं. इस वैकल्पिक मार्ग पर रेलवे के दो अंडरपास हैं. बारिश के बाद इनमें पानी और कीचड़ भर गया है.सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है.डुमरा के पास बने पहले अंडरपास की ऊंचाई कम होने के कारण यहां से मुख्य रूप से दोपहिया और छोटे वाहन ही निकल पाते हैं. हाल ही में इसी रास्ते से गुजर रही एक कार अंडरपास में पानी और कीचड़ के बीच फंस गई. काफी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकाला गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने तक यह मार्ग छोटे वाहनों के लिए महत्वपूर्ण है.उन्होंने गड्ढे भरने, कीचड़ हटाने और अंडरपास से पानी निकालने की व्यवस्था कराने की मांग की है.

मार्ग बदहाल, ग्रामीणों ने बाजार जाना छोड़ा

इसके अलावा खर्रोही-बमीठा पहुंच मार्ग लंबे समय से बदहाल होने के कारण खर्रोही, धनुपुरा और चादऊआ सहित आसपास के गांवों के लोगों को परेशानी हो रही है.सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे होने से ग्रामीणों ने बमीठा बाजार जाना लगभग छोड़ दिया है.अब उन्हें जरूरी सामान के लिए राजनगर और खजुराहो तक लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है. ग्रामीणों के अनुसार खर्रोही से बमीठा-खजुराहो मार्ग करीब 3 किलोमीटर दूर है, जबकि खजुराहो करीब 9 और राजनगर 12 किलोमीटर दूर है.सड़क खराब होने से ग्रामीणों को तीन से चार गुना अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है.खर्रोही-बेनीगंज बांध के बीच रेलवे अंडरब्रिज के नीचे सड़क पर बड़ा गड्ढा बना है.बारिश के बाद इसमें कीचड़ भरने से वाहन चालकों को परेशानी होती है और हादसे का खतरा बना रहता है.ग्रामीणों के मुताबिक बेनीगंज बांध क्षेत्र में करीब दो किलोमीटर सड़क सिंचाई विभाग की जमीन पर है.बजट की कमी के कारण डामरीकरण नहीं हो पा रहा है.ग्रामीणों ने मार्ग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में शामिल कर स्थायी रूप से पक्का कराने की मांग की है.

वृद्धा की हत्या के 3 दोषियों को उम्रकैद

- जेवरों के लालच में बुजुर्ग महिला की हत्या की थी
- वारदात को अंजाम देने के बाद शव नदी में फेंक दिया था

नवभारत न्यूज

भैरुंदा 29 अगस्त. बुजुर्ग महिला की हत्या कर शव नर्मदा नदी में फेंकने के मामले में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश ने तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक मनोज जाट ने पैरवी की.

अभियोजन के अनुसार फरियादी रामहार ने थाना रेहटी में अपनी मां की गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई थी. पुलिस महिला की तलाश में जुटी थी. 4 जनवरी 23 को नर्मदा नदी में एक बुजुर्ग महिला का शव तैरता मिला. शव को नदी से बाहर निकालने के बाद उसकी पहचान फरियादी की मां के रूप में हुई.

महिला की कमर में मोटी रस्सी बंधी मिली, जिसके दूसरे सिरे पर लोहे का लंगर लगा हुआ था. महिला के पैरों में चांदी की कड़ी, हाथ में चांदी की चूड़ी, कानों में सोने के फूल और गले में सोने की माला भी नहीं मिली. पुलिस जांच में सामने आया कि अज्ञात आरोपियों ने घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की हत्या करने के बाद उसके जेवर लूटे और शव को नर्मदा नदी में फेंक दिया.

पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपियों ने पूछताछ में महिला की गला दबाकर हत्या करने तथा शव को नर्मदा नदी के किनारे ले जाने की बात स्वीकार की. आरोपियों ने महिला के पैरों को फावड़े से काटकर चांदी की कड़ी, सोने का मंगलसूत्र आपस में बांट लिया था. न्यायालय ने तीनों आरोपियों को हत्या का दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई. अन्य धाराओं में भी सजा सुनाते हुए तीनों पर कुल 13 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया.

मुंबई के फोटोग्राफर का शव मुलताई के कुएं से बरामद

मुलताई। थाना क्षेत्र के ग्राम निरगुड शनिवार को एक कुए में ग्राम के एक युवक का शव मिला है, जो मुंबई में फोटोग्राफर थे और रक्षाबंधन पर अपनी बहन से राखी बंधवाने गांव आए थे।

थाना प्रभारी विकास पटेल ने बताया मृतक की बहन हेमलता कसारे के अनुसार नेपाल हजारे शक्रवार सुबह करीब 11 बजे घर से निकले थे। उन्होंने कहा था कि वे गांव में घूमकर थोड़ी देर में वापस आ जाएंगे, लेकिन फिर नहीं लौटे।काफी देर तक भाई नेपाल के वापस न आने पर परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की। जब उनका कोई पता नहीं चला, तो हेमलता ने मुलताई थाने में भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई. वह अपने भाई को राखी भी नहीं बांध पाई थीं. पुलिस ने नेपाल हजारे की तलाश शुरू की थी. शनिवार को ग्रामीणों ने गांव के कुएं में उनका शव देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई.सूचना मिलते ही मुलताई पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया.

मोहनगढ़ किला के पिछले हिस्से की दीवार गिरी, बड़ा हादसा टला

नवभारत न्यूज,

मोहनगढ़। बुंदेलखंड की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत को अपने भीतर समेटे जिले का मोहनगढ़ किला आज संरक्षण के अभाव में जर्जर अवस्था की ओर बढ़ रहा है। कभी अपनी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और स्थापत्य कला के लिए पहचान रखने वाला यह ऐतिहासिक दुर्ग अब बदहाल नजर आ रहा है। किले की दीवारों के हिस्से भरभराकर गिरने लगे हैं, जिससे धरोहर के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण किले की पिछले हिस्से की दीवार गुरुवार की रात गिरने से बड़ा हादसा टल गया।

मोहनगढ़ किले का उल्लेख मध्य प्रदेश पर्यटक विभाग की सूची में भी मिलता है।सरकारी अभिलेख में इसे मध्यकालीन धरोहर बताते हुए इसका कालखंड लगभग 18वीं-19वीं शताब्दी दर्ज किया गया है तथा इसके निर्माण का श्रेय राजा उदित राज को दिया जाता है बाद में राजा मानसिंह ने इसी विरासत के रूप में स्वीकार किया। विडंबना यह है कि जिस किले की मजबूत दीवारें कभी मोहनगढ़ की सुरक्षा की पहचान हुआ करती थीं, वही दीवारें आज संरक्षण के अभाव में कमजोर पड़ रही हैं। हिस्सों में पत्थर और ईंटें ढीली हो चुकी हैं तथा बारिश और मौसम की मार से संरचना लगातार प्रभावित हो रही है। यदि समय रहते वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण और मरम्मत नहीं की गई तो आने वाली पीढ़ियां इस ऐतिहासिक विरासत को उसके मूल स्वरूप में देखने से वंचित हो सकती हैं। ऐतिहासिक विरासत को अपने भीतर समेटे जिले का किला संरक्षण के अभाव में जर्जर अवस्था की ओर बढ़ रहा है। मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और स्थापत्य कला के लिए पहचान रखने वाला यह ऐतिहासिक दुर्ग अब बदहाल नजर आ रहा है।

मामा-भांजा ने नाबालिग को धमकाकर कराई चोरी

- आरोपी गिरफ्तार, ढाई सौ ग्राम सोने के आभूषण बरामद
- नाबालिग को ब्लैकमेल कर धमकाते थे आरोपी

नवभारत न्यूज

सागर 29 अगस्त. बीना थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग को ब्लैकमेल एवं जान से मारने की धमकी देकर कराई गई लाखों रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने लगभग 13 लाख रुपये नगद एवं 250 ग्राम सोने के आभूषण सहित कुल लगभग 54.37 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है.

एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया कि फरियादी परिवार वर्तमान में अपने नए मकान में निवास कर रहा था, जबकि परिवार के पुराने पैतृक मकान में नगद राशि, सोने के आभूषण एवं अन्य कीमती सामान सुरक्षित रखा हुआ था. पुराने मकान में रखे सामान की जांच करने पर नगद राशि एवं कीमती सामान गायब होना पाया गया, जिस पर फरियादी द्वारा थाना बीना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई.

जानकारी के अनुसार चोरी की सूचना प्राप्त होते ही थाना बीना पुलिस द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच प्रारंभ की गई. पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए कि आरोपी द्वारा फरियादी परिवार के नाबालिग को ब्लैकमेल कर एवं जान से मारने की धमकी देकर दबाव बनाया जाता था तथा इसी दबाव के माध्यम से उससे चोरी की वारदात कराई गई.

खेत में पानी के विवाद पर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

गढ़ाकोटा 29 अगस्त. खेत में पानी बहाने को लेकर हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि एक व्यक्ति की जान चली गई। गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ग्राम पांडेर में हुए विवाद के दौरान मानकलाल रैकवार के साथ लोहे के पाइप और डंडे से मारपीट की गई। गंभीर चोटों के चलते मानकलाल की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था।

थाना प्रभारी गौरव तिवारी से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने लगातार तलाश करते हुए आरोपी रमेश रैकवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल लोहे का पाइप और डंडा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम पांडेर निवासी ऊधम सिंह रैकवार ने गढ़ाकोटा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि खेत में पानी बहाने की बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान उसके चाचा मंझले उर्फ कन्हई रैकवार और भतीजे रमेश रैकवार ने उसके पिता मानकलाल रैकवार के साथ लोहे के पाइप और डंडे से मारपीट की। मारपीट में मानकलाल गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। टीम ने आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ ही मैदानी और तकनीकी स्तर पर जानकारी जुटाई। पुलिस ने ग्राम पाण्डेर निवासी रमेश पिता कन्हई उर्फ मंझले रैकवार, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल लोहे का पाइप और डंडा भी बरामद कर लिया।

10 नग अवैध सागौन के साथ वाहन जब्त

सीहोर. रेहटी वन परिक्षेत्र के आंवलीघाट के समीप वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा. जिसमें सागौन के 10 नग बरामद हुए हैं. मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है.

जानकारी के अनुसार बायां बीट में पदस्थ बीट गार्ड नवीन कुमार सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक वाहन में सागौन की लकड़ी भरकर आंवलीघाट की ओर ले जाई जा रही है. वन अमले ने बायां रोड़ पर घेराबंदी की. वन अमले ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने भागने की कोशिश की. तलाशी लेने पर वाहन में सागौन के 10 नग मिले. वन विभाग ने सागौन की लकड़ी के साथ मैजिक वाहन जब्त कर आरोपी भूपेंद्र कुमार बरेले निवासी रजुलिया नर्मदापुरम को गिरफ्तार किया है.

जीप की टक्कर से दंपति घायल

छतरपुर. ईशानगर थाना क्षेत्र के पनोठा निवासी जमनी अहिरवार और उनके पति हरिदास ईशानगर की ओर जा रहे थे. इसी दौरान पिपोरा के पास एक बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी. हादसे में दोनों पति-पत्नी घायल हो गए. घटना के बाद दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया. अस्पताल में 29 अगस्त दोपहर करीब 1 बजे परिजनों ने बताया कि हादसे में जमनी और हरिदास दोनों को चोटें आई हैं. दोनों पति-पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

इंद्रिया ने भोपाल में किया पहला स्टोर लॉन्च

भोपाल, 29 अगस्त. आदित्य बिरला ज्वेलरी के ब्रांड इंद्रिया ने भोपाल में अपना पहला स्टोर शुरू किया है। यह मध्य प्रदेश में कंपनी का चौथा स्टोर है. नए स्टोर की शुरुआत के साथ कंपनी ने राज्य में अपनी उपस्थिति को और सुदृढ़ किया है. यह लॉन्च सांस्कृतिक रूप से जीवंत बाजारों में विस्तार करने की इंद्रिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहां आभूषणों का विवाहों, उत्सवों और दैनिक जीवन में व्यक्तिगत शैली की अभिव्यक्ति का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है. यह ग्राहकों की बदलती पसंद को भी दर्शाता है, जो पारंपरिक आभूषणों के साथ-साथ आधुनिक डिजाइनों की व्यापक रेंज और बेहतरीन व समृद्ध खरीदारी अनुभव को भी प्राथमिकता दे रहे हैं. इंद्रिया के सीईओ श्री संदीप कोहली ने कहा, 'भोपाल में स्टोर की शुरुआत मध्य प्रदेश में अपनी सार्थक व प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करने की हमारी यात्रा में एक

महत्वपूर्ण कदम है. यहां लोगों में आभूषणों और उत्सवों के प्रति गहरा लगाव है. साथ ही, यहां आभूषणों की भूमिका भी बदल रही है. अब ये केवल खास मौकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रोजमर्रा और विशेष अवसरों पर व्यक्तिगत शैली को व्यक्त करने का माध्यम भी बन रहे हैं. इंद्रिया में हमारा प्रयास हमेशा से उपभोक्ताओं की इन निरंतर विस्तारित होती आवश्यकताओं को पूरा करना रहा है. हम भारतीय कारीगरी की समृद्ध परंपरा को आधुनिक डिजाइन और बेहतरीन खरीदारी अनुभव के साथ जोड़ रहे हैं. भोपाल में पहला स्टोर शुरू करने के साथ हम शहर के ग्राहकों तक इंद्रिया के इस दृष्टिकोण को प्रस्तुत कर रहे हैं और एक ऐसी जगह बना रहे हैं जहां परिवार, दुल्हनें और युवा ग्राहक ऐसे आभूषणों की खोज कर सकें, जो आज उनके जश्न मनाने और स्वयं को व्यक्त करने की शैली के अनुकूल हों. '

शहर के प्रमुख खरीदारी क्षेत्रों में शामिल मालवीय नगर में रोशनपुरा चौराहे के पास स्थित इस स्टोर को ग्राहकों को एक इमर्सिव एवं ग्राहक-केंद्रित अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है. यहां 37,000 से अधिक आभूषण डिजाइनों का संग्रह उपलब्ध है. इनमें दुल्हनों के लिए विशेष आभूषण, त्योहारों के लिए कलेक्शन, आकर्षक कंटेम्परारी स्टेटमेंट आभूषण और रोजमर्रा में पहनने के लिए हल्के आभूषण शामिल हैं. इंद्रिया के 'डिजाइन-फर्स्ट' दर्शन को दर्शाते हुए, स्टोर में पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक सौंदर्यशास्त्र का अनूठा संगम देखने को मिलता है.

...जब सीएचओ नहीं ले पाईं बीपी, कलेक्टर ने दी ट्रेनिंग

नवभारत न्यूज, टीकमगढ। जिले के सापौन उप स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर विवेक कुमार श्रोतिय ने निरीक्षण किया। इस दौरान उप स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर उस समय चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई, जब केंद्र में पदस्थ रितु अहिरवार एक महिला मरीज का ब्लड प्रेशर तक नहीं ले पाईं।

मौके पर मौजूद कलेक्टर ने स्वयं को महिला मरीज का लेने की प्रक्रिया समझाई और उन्हें लेना सिखाया। इसके बाद कलेक्टर ने रितु अहिरवार से उनकी शैक्षणिक योग्यता और डिग्री के संबंध में भी जानकारी ली। ग्रामीणों ने अस्पताल न खुलने की शिकायत कीनिरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कलेक्टर से उप स्वास्थ्य केंद्र के नियमित रूप से नहीं खुलने और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि अस्पताल की व्यवस्थाओं के कारण उन्हें इलाज के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर विवेक कुमार श्रोतिय ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार के सख्त निर्देश दिए।

उन्होंने उपस्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं को बेहतर तरीके से संचालित करने और मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान सामने आई इस स्थिति ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिमोट एक्सेस इंटेलिजेंट लूवर्स लॉन्च

- बिल्डिंग को रखता है मौसम के अनुकूल

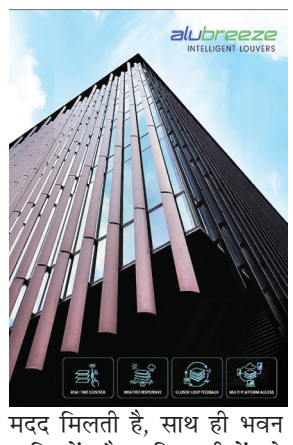

कोलकाता, 29 अगस्त. जैसे-जैसे इमारतों में बड़े कांच के फैकेड का उपयोग बढ़ता जा रहा है, आधुनिक भवन डिजाइन में ऊष्मा, चकाचौंध और आंतरिक आराम का प्रबंधन एक महत्वपूर्ण पहलू बन गया है. इस आवश्यकता को पूरा करते हुए, भारत की अग्रणी एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल और फैकेड उत्पाद निर्माताओं में से एक एलुडेकोर ने एलुब्रीज इंटेलिजेंट लूवर्स का अनावरण किया है. यह मोटरयुक्त धातु का सन लूवर सिस्टम सूर्य की रोशनी, बारिश और हवा जैसे पर्यावरणीय इनपुट का उपयोग करके लूवर की स्थिति को स्वचालित रूप से समायोजित करता है, जिससे सौर विकिरण, चकाचौंध और मौसम की स्थितियों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, साथ ही भवन मालिकों और सुविधा टीमों को अग्रभाग संचालन पर अधिक नियंत्रण मिलता है. अलुडेकोर के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अशोक कुमार भैया ने कहा, एलुडेकोर का अग्रभाग केवल भवन की दिखावट को परिभाषित करने से कहीं अधिक होना चाहिए. इसे भवन के प्रदर्शन में सक्रिय रूप से योगदान देना चाहिए. अलुब्रीज इंटेलिजेंट लूवर सिस्टम के साथ, हम अग्रभाग को उसके वातावरण के प्रति अधिक प्रतिक्रियाशील बना रहे हैं, डिजाइन, प्रदर्शन और बुद्धिमान नियंत्रण को एक ही सिस्टम में एकीकृत कर रहे हैं. एलुडेकोर के एलुब्रीज आर्किटेक्चरल लूवर सिस्टम पर आधारित, यह बुद्धिमान प्रणाली एक नियंत्रक, 24वी लीनियर एक्चुएटर, पर्यावरणीय इनपुट और एलुसिंक क्लाउड को जोड़ती है. इसे मोबाइल एप्लिकेशन या वेब डैशबोर्ड के माध्यम से मॉनिटर और संचालित किया जा सकता है, जबकि बीएमएस और एपीआई एकीकरण इसे व्यापक भवन स्वचालन प्रणालियों से जुड़ने की अनुमति देता है. हॉल-सेंसर फीडबैक प्रणाली को लूवर की स्थिति सत्यापित करने में सक्षम बनाता है, जिससे क्लोज्ड-लूप नियंत्रण को समर्थन मिलता है.